

दुखस्य रस्य माटी का कण - कण , उमड़ रही रस धार है ।
ल्यौहारों का देश हमारा , हमको इससे प्यार है ।

मन - भावन सावन आते ही ,
हरियाली छा जाती है ।
राखी के दिन बहिन खुशी से ,
फूली नहीं समाली है
घर बाहर झुले ही झुले
गाते राग मल्हार है ।

आजादी के दिवस तिरंगा ,
घर - घर पर लहरता है ।
वीर शहीदों की गाथाएँ
हमको याद दिलाता है
मन भावों से भर जाता है
माँ की जय जयकार है ।
ल्यौहारों का देश हमारा ,
हमको इससे प्यार है ।

आता है हर वर्ष दशाहर ,
हीले खेस तमाशी है ।
दीवाली पर दीप - दान ,
फुलझड़ियाँ खिल बतारी है ।
धूम - धड़के और पटाखों ,
की कैसी भरमार है !
ल्यौहारों का देश हमारा
हमको इससे प्यार है ।

भाईचारे का संदेशा
ले ईद - मुबारक आती है ।
मीठी खीर , - सिक्कियाँ ,
सबके मन को भाली है ।

Uname - Seema
Class - IXth
Rollno - 31